1373855

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4 ई.एच.डी.-02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी)

ई.एच.डी.-02 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 12

(क) पाहन पूजै हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार।
ताते यह चक्की भली, पीस खाय संसार॥
मन मथुरा दिल द्वारिका काया कासी जाणि।
दसवाँ द्वार देहुरा तामै जोति पिछांणि॥

(ख) कनक-कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।
वा खाय बौराय जग, या पाये बौराय॥

(ग) यह धरती है उस किसान की
जो बैलों के कंधों पर
बरसात घाम में,
जुआ भाग्य का रख देता है
खून चाटती हुई वायु में
पैनी कसी खेत के भीतर
दूर कलेजे तक ले जाकर
जोत डालता है मिट्टी को
पाँस डाल कर
और बीज बो देता है
नए वर्ष में नयी फसल के।

(घ) स्तब्ध ज्योत्सना में जब संसार
चकित रहता शिशु सा नादान,
विश्व के पलकों पर सुकुमार
विचरते हैं जब स्वप्न अजान;
न जाने नक्षत्रों से कौन
निमन्त्रण देता मुझको मौन।

(ङ) मैं रोज देखता हूँ कि व्यवस्था की मशीन का
एक पुर्जा गर्म होकर
अलग छिटक गया है और

ठंडा होते ही
फिर कुर्सी से चिपक गया है
उसमें न हया है
न दया है।

(च) छीनता हो स्वत्व कोई, और तू
त्याग तप से काम ले, यह पाप है।
पुण्य है विच्छिन्न कर देना उसे
बढ़ रहा तेरी तरफ जो हाथ हो॥

2. 'कुरुक्षेत्र' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए। 16

3. भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 16

4. नागार्जुन के काव्य की अन्तर्वस्तु के विभिन्न पक्षों का परिचय दीजिए। 16

5. 'निराला' काव्य के महत्व का उद्घाटन कीजिए। 16

6. भारतेन्दु युगीन हिन्दी काव्य की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 16

7. रीतिमुक्त काव्य के सन्दर्भ में घनानन्द काव्य के महत्व का प्रतिपादन कीजिए। 16

8. 'पद्मावत' की काव्यगत विशेषताएँ बताइए। 16

9. आदिकालीन काव्य के स्वरूप और विकास का परिचय दीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 8

(क) तुलसीदास की भक्ति-भावना

(ख) पद्माकर का काव्य-शिल्प

(ग) प्रयोगवाद

(घ) महादेवी वर्मा का काव्य-सौन्दर्य

(ङ) 'कुरुक्षेत्र' की भाषा